उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय,

हल्द्वानी

महत्वपूर्ण उपलब्धियॉ

माह जून, 2021

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय कोविड–19 के दौरान माह जून, 2021 में किये गये प्रमुख कार्यों का संक्षिप्त विवरण

- शिक्षको द्वारा विभिन्न विषयों में वर्चुअल प्रयोगात्मक परीक्षा सम्पन्न कराई गई।
- विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 21 जून, 2021 के अवसर पर ऑनलाईन योग कार्यक्रम एवं वेबीनार का आयोजन किया गया।
- प्रत्येक वर्ष की भांति उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में 05 जून 2021 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया ।
- विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस, 2021 के उपलक्ष्य पर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा की ओर से 'कोविड–19 के सन्दर्भ में खाद्य सुरक्षा एवं स्वास्थ्य' विषय पर दिनाँक 07/06/2021 को एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया।
- सभी प्राध्यापकों द्वारा विभिन्न विषयों के सत्रीय कार्यों (Assignment) का निर्माण किया गया तथा वाह्य विशेषज्ञों द्वारा निर्मित सत्रीय कार्यों (Assignment) का प्रारूप एडिटिंग तथा सामग्री एडिटिंग कर उसे अपलोड किया गया।
- अमेज़न के सहयोग से AWS अकादमी की शुरुआत व्यावसायिक अध्ययन विद्याशाखा के साथ साझा तौर पर की गयी है जिसमें वर्चुअल मोड में क्लाउड कंप्यूटिंग (Cloud Computing) से सम्बंधित विभिन्न स्किल एवं रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रमों का संचालन किया जायेगा। समस्त पाठ्यक्रम ऑनलाइन LMS (Learning Management System) के माध्यम से संचालित किये जायेंगे साथ ही लर्निंग मेटेरियल (Theory + Practical) भी अकादमी द्वारा निःशुल्क प्रदान किया जायेगा। AWS अकेडमी के माध्यम से क्लाउड फाउंडेशन और मशीन लर्निंग पर ऑनलाइन कोर्स का संचालन आगामी सत्र से किया जायेगा, जिस हेतु अध्ययन सामग्री अकादमी द्वारा (सॉफ्ट कॉपी) निःशुल्क प्रदान की जाएगी।
- व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की शृंखला में तीन नये पाठ्यक्रम संचालित किये जाने प्रस्तावित हैं यथा- कम्युनिटी रेडियो, सॉफ्ट स्किल एंड आईटी स्किल्स एवं डाटा साइंस विथ आर प्रोग्रामिंग। उक्त पाठ्यक्रमों को आगामी सत्र में शुरू किया जायेगा।
- वर्तमान में सम्बन्धित विद्याशाखा द्वारा विभिन्न विषयों में व्यावसायिक पाठ्यक्रम चलाये जा रहे हैं - डिजिटल मार्केटिंग एंड मैनेजमेंट, सॉफ्ट स्किल एंड ई- ऑफिस मैनेजमेंट, टेक्नोलॉजी इनेबल्ड एजुकेशन, वेब डिजाइनिंग एंड डेवलपमेंट।
- नए सत्र में बीएड (ओडीएल) प्रवेश परीक्षा फॉर्म को ऑनलाइन किये जाने हेतु प्रवेश विवरणिका से सम्बंधित विषयों के संदर्भ में सभी प्राध्यापकों से सुझाव आमंत्रित किये गए तथा बीएड (ओडीएल) प्रवेश परीक्षा फॉर्म के विज्ञापन की प्रक्रिया प्रारंभ की गयी।
- बीएड (ओडीएल) तृतीय सेमेस्टर में अध्ययनरत विद्यार्थियों का प्रयोगात्मक परीक्षा (इंटर्नशिप) कार्यक्रम 21, 22 तथा 23 जून 2021 को ऑनलाइन आयोजित किया गया जिसमे बीएड (ओडीएल) तृतीय सेमेस्टर में अध्ययनरत 120 विद्यार्थियों का प्रयोगात्मक परीक्षा वाह्य परीक्षक की ऑनलाइन उपस्थिति में आयोजित किया गया
- Provided students support regarding admissions, books etc. through electronic conversation and resolved their quarries.
- School of Computer Science & IT conducted Expert Committee and Board of Studies Meeting on 14 and 15 June, 2021 respectively to Review the course structure, credits and syllabus of Masters of Computer Applications (MCA), PG Diploma in Computer Applications (PGDCA), etc. in view of AICTE ODL regulation, 2021.

अन्तराष्ट्रीय योग दिवस

दिनांक– 21 जून 2021

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के द्वारा अन्तराष्ट्रीय योग दिवस के पावन अवसर पर कार्यक्रम का प्रारम्भ कुलगीत के साथ किया गया। नमामि गंगे प्रोजेक्ट के तहत गंगा शपथ कराई गयीं। विश्वविद्यालय के योग विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ0 भानु प्रकाश जोशी जी ने कार्यक्रम का आरम्भ किया तथा उन्होंने बताया कि वर्तमान समय करोना काल में हम योग के माध्यम से किस प्रकार तनावमुक्त रह सकते हैं और जिससे हमारे आत्मविश्वास में वृद्धि होती है और हम हर प्रकार की बीमारी का सामना के सकते है।

कार्यक्रम में करोना काल में योग की क्या भूमिका है इस विषय में चर्चा की तथा उसके पश्चात् आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा अनुमोदित प्रोटोकॉल के अनुसार एक घण्टे का सामूहिक योगाभ्यास कराया गया जिसमें मुख्य रूप से गीवासंचाल, ताड़ासन, कटिचक्रासन, उत्तानपादासन, त्रिकोणासन, वज्रासन, उष्टासन, शशांकासन, तित्लीआसन, माण्डूकासन, वक्रासन, मत्स्येन्द्रासन, दण्डासन, मकरासन, भुजंगासन, शलभासन, उत्तानपादासन, पवनमुक्तासन, शवासन आदि आसनों और कपालभाति षट्कर्म एवं अनुलोम–विलोम प्राणायाम, शीतली प्राणायाम एवं भ्रामरी आदि प्राणायाम के अभ्यास कराये गये।

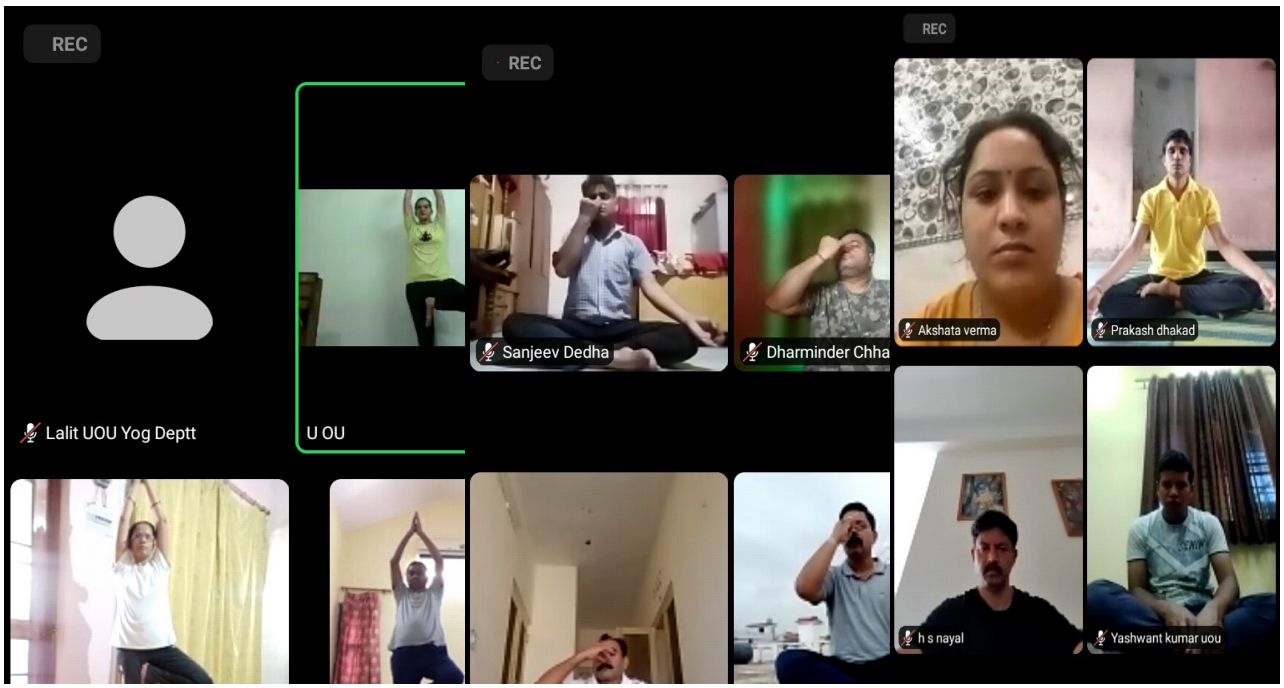

स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निर्देशक प्रो0 आर0सी0 मिश्र जी द्वारा वर्तमान कोविड–19 परिपेक्ष में योग के द्वारा स्वयं को स्वस्थ्य किस प्रकार रखा जा सकता है और उन्होंने बताया की योग व्यक्ति को स्वास्थ के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक इन चारों आयामों में स्वस्थ्य रखता है और सप्तम् अन्तराष्टीय योग दिवस की थीम योगा फॉर वेलबीइंग पर चर्चा की गयी और किस उनहोंने बताया कि योग किस प्रकार से व्यक्ति का सर्वांगीण विकास करता है ।

कार्यक्रम के अध्यक्ष कर रहे विश्वविद्यालय परिवार के माननीय कुलपति महोदय जी ने अपने विचार व्यक्त किये उन्होंने बताया कि योग के अभ्यास से मन और शरीर पर क्या वैज्ञानिक प्रभाव पड़ता है विशेष रूप से अष्टांग योग के अंगों का अभ्यास हमारे मन एवं शरीर किस प्रकार प्रभाव डालते हैं इस विषय पर चर्चा की । इसके पश्चात् इस कार्यक्रम के समापन में विश्वविद्यालय परिवार के कुलसचिव प्रो0 एच0एस0 नयाल जी द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन किया गया। तथा इस अन्तराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रय में लगभग 250 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया ।

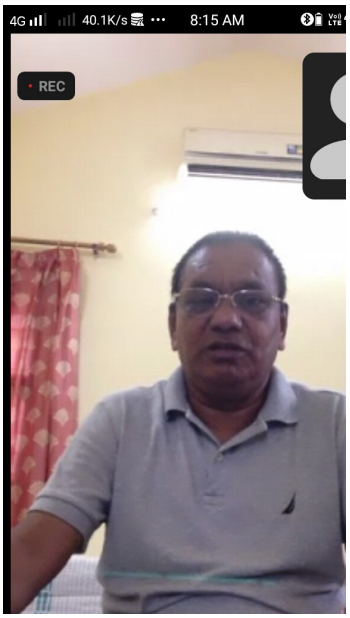

राष्टीय बेबिनार – वर्तमान परिदृश्य में योग की भूमिका

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी (नैनीताल) के योग विज्ञान विभाग, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा द्वारा अन्तराष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व संध्या 20 जून 2021, समय 2:00 PM पर जूम आई0डी0 पर एक राष्टीय बेबिनार–वर्तमान परिदृश्य में योग की भूमिका विषय पर आयोजन किया गया तथा जिसका शुभ आरम्भ कुलगीत के साथ किया गया। इसके पश्चात् आयुष मंत्रालय द्वारा अनुमोदित योगगीत गाया गया। तथा इस कार्यक्रम के संरक्षक विश्वविद्यालय परिवार के माननीय कुलपति महोदय प्रो0 ओ0पी0एस0 नेगी जी थे।

कार्यक्रम संयोजक स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निर्देशक प्रो० आर०सी० मिश्र जी थे। एवं कार्यक्रम के समन्वयक योग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ० भानु प्रकाश जोशी जी थे। तथा इस कार्यक्रम मुख्य अतिथि के रूप में उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 देवी प्रसाद त्रिपाठी जी उपस्थित थे एवं बीज वक्तव्य पदम श्री भारत भूषण जी किया गया एवं विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रो0 जी0 डी0 शर्मा जी उपस्थित थे।

सर्वप्रथम योग विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ० भानु प्रकाश जोशी जी द्वारा वर्तमान समय में योग की भूमिका में बतया कि योग के द्वारा हमें सर्वप्रथम मानसिक शान्ति प्राप्त होती है और जिसका प्रभाव हमारे शारीर पर पड़ता है। जिससे हम मानसिक रूप से तो स्वस्थ्य होते ही हैं शारीरिक रूप से भी हम हर बिमारी का आसानी से सामना कर सकते हैं और इस करोना काल में योग अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। योग द्वारा हम तनावमुक्त रह सकते हैं, शरीर को स्वस्थ्य रख सकते हैं एवं अपनी रोगप्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकते आदि विषयों में चर्चा के पश्चात् मुख्य अतिथि, बीज वक्तव्य एवं विषय विशेषज्ञ आदि का कार्यक्रम में स्वागत कराया गया और सर्वप्रथम विषय विशेषज्ञ प्रो0 जी0 डी0 शर्मा जी को व्याख्यान हेतु आमन्त्रित किया गया जिसमें उन्होंने करोना काल में स्वास्थ्य लाभ हेतु भगवदगीत, घेरण्ड संहिता, हठप्रदीपिका, उपनिषद एवं पुराण आदि शास्त्रों में वर्णित ज्ञान का वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक तरीके से निरूपण किया गया एवं आसन एवं प्राणायाम किस प्रकार हमारे व्यक्तित्व में बदलाव लाते हैं इस पर चर्चा की गयी तथा स्वयं को स्वस्थ्य रखने के लिए योग दर्शन में वर्णित अभ्यास, वैराग्य एवं अष्टांग योग विषय पर विस्तत चर्चा की गयी। उसके पश्चात् बीज वक्तव्य में पदम श्री भारत भूषण जी ने योग के द्वारा व्यक्ति के संस्कारों की शुद्धि किस प्रकार की जा सकती है, योग के माध्यम से भारतीय संस्कति को किस प्रकार बचाया जा सकता है, भारत के विश्वविद्यालयों की शिक्षा व्यवस्था को किस प्रकार सुव्यवस्थित किया जा सकता है, व्यक्ति के व्यक्तित्व को किस प्रकार आसन एवं प्राणायाम द्वारा परिष्कृत किया जा सकता है, स्वामी विवेकानन्द जी, स्वामी दयानन्न जी के आदर्शों को अपनाकर व्यक्ति के स्वरूप को बदला जा सकता है, रोग मुक्ति हेतु प्राणायाम और आसनों को विशेष बताया गया एवं वर्तमान समय करोना काल में प्राणायाम का अभ्यास अर्थात् श्वास–प्रश्वास में विशेष ध्यान देने से व्यक्ति नकारात्मकता से कैसे बाहर निकल सकता है इस विषय पर विस्तृत चर्चा की गयी।

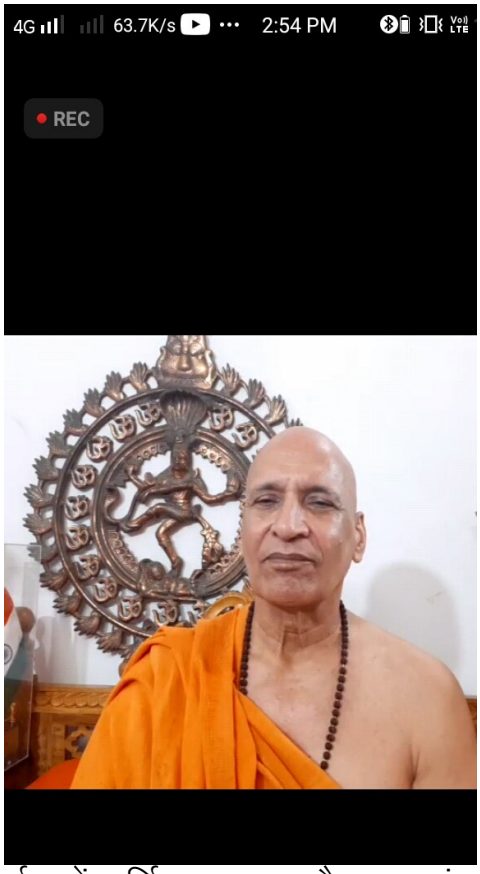

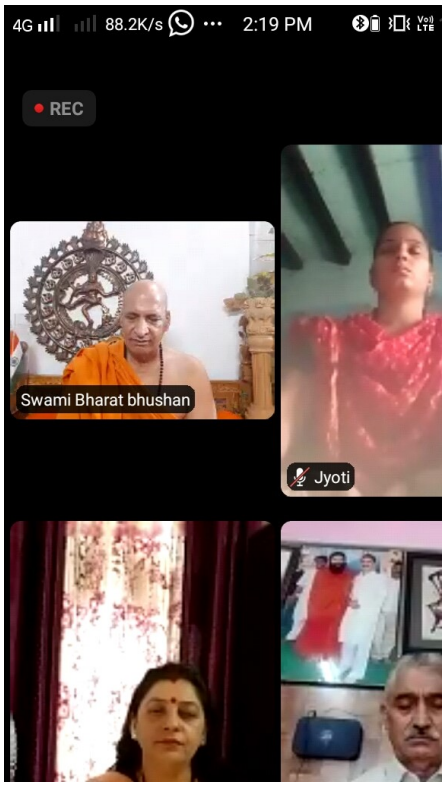

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो0 देवी प्रसाद त्रिपाठी जी द्वारा योग विद्या के द्वारा आध्यात्मिक, आदिदैविक एवं आदिभौतिक इन तीनों दुःखों कैसे मुक्ति पा सकते हैं, वर्तमान समय करोना काल में योग के द्वारा हम स्वयं को किस प्रकार स्वस्थ्य रख जा सकते हैं, मानसिक स्वास्थ्य को स्वस्थ्य रखने के लिए चित्त की वृत्तियों को प्राणायाम एवं ध्यान के अभ्यास से किस प्रकार शान्त किया जा सकता है, अष्टांग योग के अंगों की चर्चा की गयी,

यम– सत्य, अहिंसा, अस्तेय एवं ब्रहमचर्य इन पांच अंगों का पालन और नियम– शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय एवं ईश्वर प्रणिधान इन अंगों का प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों को किस प्रकार पालना कराना चाहिए इस विषय में विस्तत चर्चा की गयी।

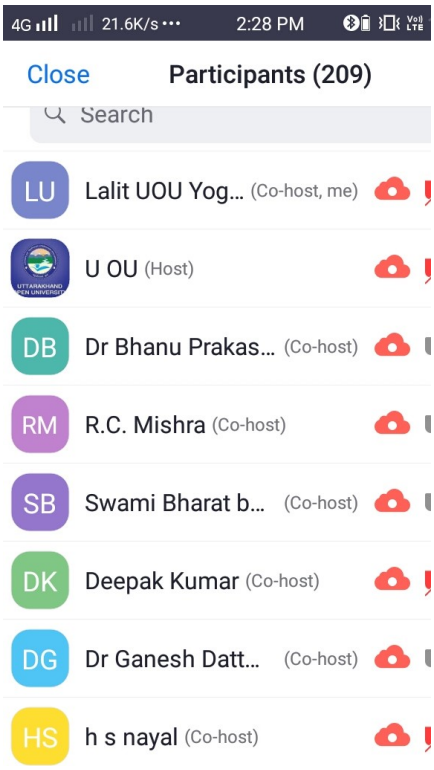

कार्यक्रम के संयोजक प्रो० आर० सी० मिश्र जी द्वारा अध्यक्ष उद्बोधन में वर्तमान समय योग द्वारा हम मन और शरीर को कैसे स्वस्थ्य रख सकते हैं प्राणायाम, ध्यान आदि के अभ्यास से हमारे मानसिक बिकार समाप्त होते हैं और सकारात्मक विचारों में वृद्धि होती है। जिससे हमारा आत्मविश्वास में भी वृद्धि होती हैं और आसनों द्वारा हम किस प्रकार से शारीरिक स्वास्थ्य लाभ ले सकते हैं आदि विषयों पर भगवद्गीता, उपनिषद्, पुराण, योग दर्शन आदि ग्रन्थों का आध्यात्मिक निरूपण किया। और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी महानुभाओं का आभार व्यक्त किया गया। इसके पश्चात् इस कार्यक्रम के समापन में विश्वविद्यालय परिवार के कुलसचिव प्रो0 एच0एस0 नयाल जी द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन किया गया। तथा इस अन्तराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रय में लगभग 290 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

विश्व पर्यावरण दिवस, 2021

प्रत्येक वर्ष की भांति उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में 05 जून 2021 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया । कार्यक्रम के प्रथम चरण में विश्वविद्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओ0 पी0 एस0 नेगी, कुलसचिव प्रोफेसर एच एस नयाल, निदेशक प्रोफेसर पी.डी. पंत अन्य प्रोफ़ेसरों व अधिकारियों एवं कम्रचारियों द्वारा वृक्षारोपण किया गया। पौधों की 25 विभिन्न प्रजातियों के का पौधारोपण किया गया।

कार्यक्रम के द्वितीय चरण में विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी भौमिकी एवं पर्यावरण विज्ञान विद्याशाखा के द्वारा एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसका विषय था **"पारस्थितिकी और उसका पुनरुत्थान"**। इस संगोष्ठी (वेबिनार) का आयोजन ऑनलाईन माध्यम से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओ0 पी0 एस0 नेगी जी ने की। मुख्यातिथि के रूप में चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति प्रोफेसर डी. आर. सिंह रहे। मुख्य वक्ता जी. वी. पन्त कृषि विश्वविद्यालय पंतनगर की प्रोफेसर उमा मेलकानिया तथा विशिष्ट वक्ता के रूप में केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा के प्रोफेसर दीपक पन्त शामिल हुए।

मुख्य अतिथि के तौर पर चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ0 डी. आर. सिंह ने कहा कि हमे पर्यावरण से जुड़े विभिन्न घटकों का संरक्षण करना होगा। पर्यावरण सरंक्षण को लेकर जिस तरह से भारत सरकार लगातार कई कदम उठा रही है हमे भी सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़कर इसमे अपनी भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा सरकार सौर ऊर्जा, वायु ऊर्जा, बायो फ्यूल के क्षेत्र में काफी काम कर रही है साथ ही हर घर में रसोई गैस उपलब्ध करवा रही है ताकि जलाने के लिए लकड़ियों का कटान न हो और साथ ही वायु प्रदूषण भी रुक सके। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को इन सभी अभियानों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना होगा तभी पर्यावरण संरक्षण में हम सफल होंगे।

मुख्य वक्ता प्रोफेसर उमा मेलकानिया ने जैवविविधता के प्रबंधन पर अपना ब्याख्यान दिया, उन्होंने कहा कि पारिस्थिकी तंत्र के संरक्षण व पुनरुत्थान में जैवविविधता प्रबंधन की अहम भूमिका है, जिस ओर हमे विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने जैवविविधता के विभिन्न घटकों पर विस्तृत जानकारी दी। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय से वक्ता के तौर पर शामिल प्रोफेसर दीपक पन्त ने कहा कि आधुनिक युग में विकास और वैज्ञानिक प्रयोगों को रोकने से ही पर्यावरण का सरंक्षण नहीं किया जा सकता है, आवश्यकता है तो वैज्ञानिक प्रयोगों के साथ साथ प्राकृतिक संसाधनों के प्रवंधन की।

गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए प्रो0 ओ0 पी0 एस0 नेगी ने कहा कि हमारे शास्त्रों में धरती को माँ का दर्जा दिया गया है और हमें पुत्र का दर्जा, हमे माँ समझ कर ही इसके साथ बर्ताव करना चाहिए, वह हमेशा हमें सम्भलने का अवसर देती है। उन्होंने कहा कि यदि हम पर्यावरण दिवस पर पौधे लगाते हैं तो उससे बड़ी जिम्मेदारी है उसे संरक्षण देकर बड़ा और हराभरा रखना, तभी हमारे इस दिवस का उद्देश्य पूर्ण होगा। गोष्ठी की रूपरेखा भौमिकी एवं पर्यावरण विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक और संगोष्ठी के संयोजक प्रोफेसर पी0 डी0 पन्त ने रखी। संचालन वानिकी एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग के समन्वयक डॉ0 हरीश चंद्र जोशी ने किया। संगोष्ठी में लगभग 140 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया जिसमें विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र छात्राएं एवं अन्य विश्वविद्यालयों के शिक्षक एवं छात्र छात्राएं शामिल रहीं।

विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस, 2021 के उपलक्ष्य पर वेबिनार का आयोजन

विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस, 2021 के उपलक्ष्य पर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा की ओर से 'कोविड–19 के सन्दर्भ में खाद्य सुरक्षा एवं स्वास्थ्य' विषय पर दिनाँक 07/06/2021 को एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार की अध्यक्षता उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर ओ० पी० एस० नेगी द्वारा की गई। डॉ. प्रीति बोरा ने कार्यक्रम की शुरुआत में विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के उद्देश्य एवं महत्व को सबके समक्ष रखा।

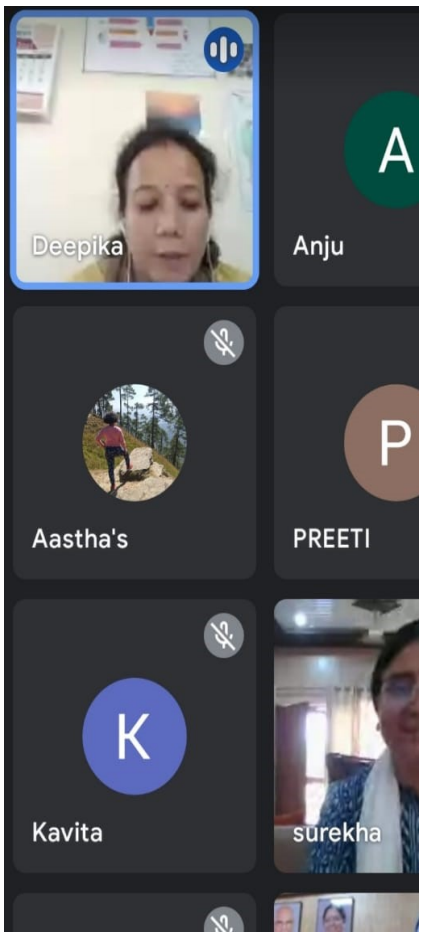

स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक एवं वेबिनार के संयोजक, प्रोफेसर आर०, सी० मिश्र ने संगोष्ठी के उद्देश्य एवं खाद्य सुरक्षा की भूमिका पर प्रकाश डाला एवं मुख्य अतिथि, माननीय कुलपति, समस्त वक्ताओं एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। इसके पश्चात डॉ0 दीपिका वर्मा ने समस्त वक्ताओं का परिचय देने के साथ ही उन्हें वक्तव्य हेतु आमंत्रित किया।

मुख्य वक्ता प्रो० सरिता श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष, खाद्य एवं पोषण विभाग, गृह विज्ञान महाविद्यालय, गो०, ब०, कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर ने बताया की कैसे कोविड की वर्तमान स्थितियों में व्यायाम, ध्यान, उचित खान पान द्वारा हम खुद को स्वस्थ्य रख सकते हैं। उन्होंने पारंपरिक दालों एवं अनाजों को भी विभिन्न खाद्य उत्पादों के रूप में दैनिक भोजन में शामिल करने पर जोर दिया। विषय विशेषज्ञ, डॉ. अनु अग्रवाल, आहार विशेषज्ञ, एम्स, ऋषिकेश ने खाद्य जनित रोगों ओर उनसे बचने के उपायों पर चर्चा की।

विषय विशेषज्ञ, डॉ. अंजू थथोला, विभागाध्यक्ष, गृह विज्ञान विभाग, एम०,बी०,पी०,जी० कॉलेज हल्द्वानी ने खाद्य सुरक्षा का समग्र दृष्टिकोण बताते हुए उत्पादक, विक्रेता एवं उपभोक्ता की खाद्य सुरक्षा में भूमिका बताई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रो० सुरेखा डंगवाल, कुलपति, दून विश्वविद्यालय, देहरादून ने परंपरागत पाक कला एवं संरक्षण के तरीकों का उदाहरण देते हुए खाद्य सुरक्षा में इसका महत्व बताया।

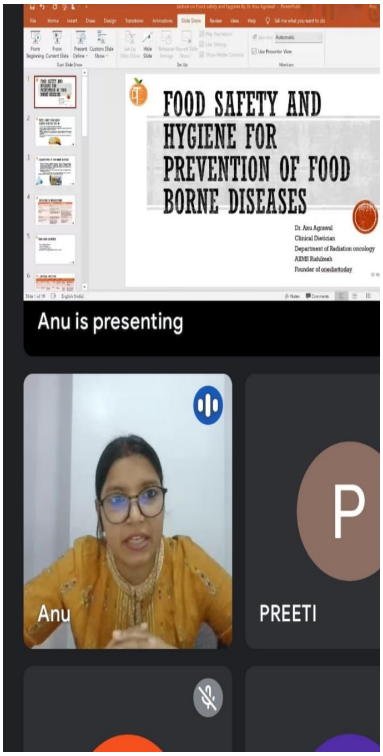

विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति एवं वेबिनार के अध्यक्ष, प्रोफेसर ओ० पी० एस० नेगी ने पहाड़ी उत्पादों, वनस्पतियों का उदाहरण देते हुए इसके प्रसार एवं प्रचार पर बल दिया। अंत में डॉ. दीपिका वर्मा द्वारा वेबिनार का धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। कार्यक्रम का अयोजन विभाग के संकाय सदस्य डॉ. दीपिका वर्मा, डॉ. प्रीति बोरा, डॉ. ज्योति जोशी एवं श्रीमती मोनिका द्विवेदी द्वारा किया गया।

2-week Faculty Development Program on "Developing Online Courses for SWAYAM" from 21st June, 2021

School of Computer Science & IT conducted a 2-week Faculty Development Program on "Developing Online Courses for SWAYAM" from 21st June, 2021. This course is offered through the UOU's Moodle based platform. UOU announces the courses details in the University website, Social Media platforms like Facebook, Linkedin, etc. and invited the participants for registration through google form. After removing the duplicate entries, total **1476 participants registered** for the FDP program. To facilitate the registration on the course portal, the organizers created the login for the participants and the credentials were sent to them along with instruction through registered email. Around **750 participants** (more than 50%) are actively participating in course activities.

A live discussion forum was also conducted through ZOOM on 26 June at 18:00 Hrs were more than 200+ participants actively participated and their queries were resolved by the expert Mr. Manas, Dr. Mythali, Prof. Anirban, Mr. Ashish, Prof. Durgesh Pant and Dr. Jeetendra Pande.

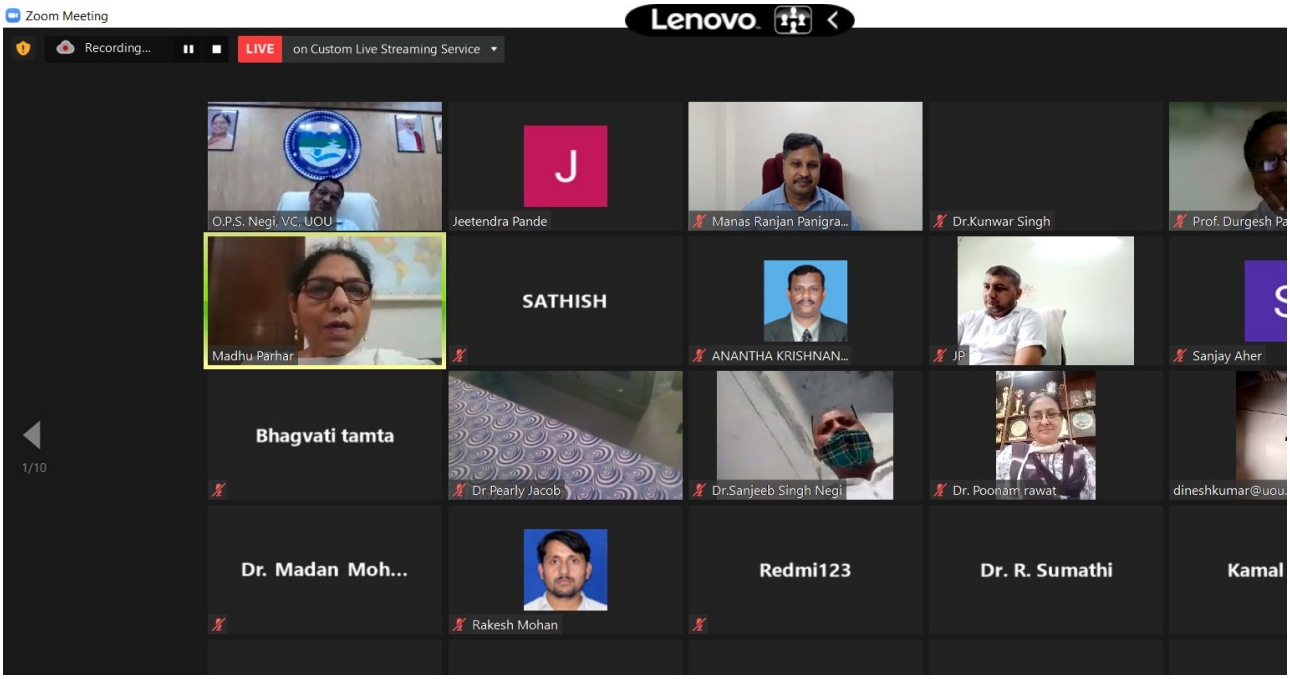

पांच दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन

व्यावसायिक अध्ययन विद्याशाखा द्वारा पांच दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन 21 से 25 जून, 2021 के दौरान किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की पहुंच को दूर दराज के क्षेत्रों तक पहुंचाने के साथ साथ स्किलिंग, री– स्किलिंग और अप स्किलिंग पर जोर देना रहा। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में व्यावसायिक विद्याशाखा के निदेशक प्रोफेसर दुर्गेश पंत ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला की रुपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए स्किलिंग, री– स्किलिंग और अप स्किलिंग पर जोर दिया और विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा की आप व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के प्रसार और इनकी पहुंच जन–जन तक पहुंचाने के लिए हमारे ब्रांड अम्बेस्डर की साबित होंगे। कार्यशाला में अन्य वक्ताओं ने कौशल शिक्षा को भविष्य की जरुरत बताते हुए इसके व्यापक प्रचार और जागरूकता की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा की सिर्फ शैक्षिक डिग्रीयो के भरोसे हम रोजगार के लिए इन्तजार नहीं कर सकते बल्कि हमें कौशल विकास पर मुख्य रूप से जोर देना होगा जिससे की आत्मनिर्भर भारत का सपना सच होगा।

कार्यशाला में वक्ताओं ने सोशल मीडिया के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की साथ ही सोशल मीडिया को रोजगार का एक सशक्त माधयम भी बतलाया। कार्यशाला में कॉर्पोरेट वर्ल्ड के जानकार श्री सुधीर पंत ने कस्टमर, कोलैबोरेशन, चेंज और करेज अर्थात 4Cs के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा की व्यवसायिक शिक्षा से न केवल हुनर का विकास ही होगा बल्कि हम स्टार्टअप के क्षेत्र में भी अग्रसर होंगे साथ ही स्किल शिक्षा को भविष्य की जरुरत और रोजगार प्राप्ति के लिए एक आवश्यक कड़ी बताया।

भारतीय पुनर्वास परिषद की बीएड विशेष शिक्षा (मुक्त एवं दूरस्थ माध्यम) के नवीन नियम एवं परिनियमों हेतु बनी एक्सपर्ट कमिटी की बैठक

भारतीय पुनर्वास परिषद की बीएड विशेष शिक्षा (मुक्त एवं दूरस्थ माध्यम) के नवीन नियम एवं परिनियमों हेतु बनी एक्सपर्ट कमिटी की दूसरी बैठक दिनांक–14 जून 2021 को वर्चुअल माध्यम से आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 ओ पी एस नेगी द्वारा की गई जो कि इस कमेटी के अध्यक्ष भी हैं।बैठक का संचालन भारतीय पुनर्वास परिषद के सदस्य सचिव डॉ सुबोध कुमार द्वारा किया गया इससे पूर्व प्रथम बैठक में लिए गए निर्णय के तदनुसार प्रो. एस आर मित्तल सेवानिवृत्त प्रोफेसर राष्ट्रीय दृष्टिबाधितार्थ संस्थान, देहरादून, प्रो. अमिताभ मिश्र प्रोफेसर इग्नू, और अन्य नामित विशेषज्ञों की कमेटी द्वारा बनाए गए डॉफ्ट पर सभी कमेटी के मेंबरों से चर्चा की गई।

बैठक में सभी सदस्यों द्वारा हर बिंदुओं पर अपने विचार सहमति और असहमति व्यक्त की गई।जिसके आधार पर कमेटी के अध्यक्ष प्रोफेसर ओ पी एस नेगी द्वारा सभी बिंदुओं पर अपेक्षित सुधार करने के निर्देश दिए गए साथ ही यह निर्णय लिया गया यथाशीघ्र कमेटी की अगली बैठक बुलाकर बीएड विशेष शिक्षा (मुक्त एवं दूरस्थ माध्यम) के नवीन नियम एवं परिनियमों को अंतिम रूप दे दिया जाए।

बैठक के अंत में भारतीय पुनर्वास परिषद के सदस्य सचिव डॉ सुबोध कुमार द्वारा सभी का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया गया।

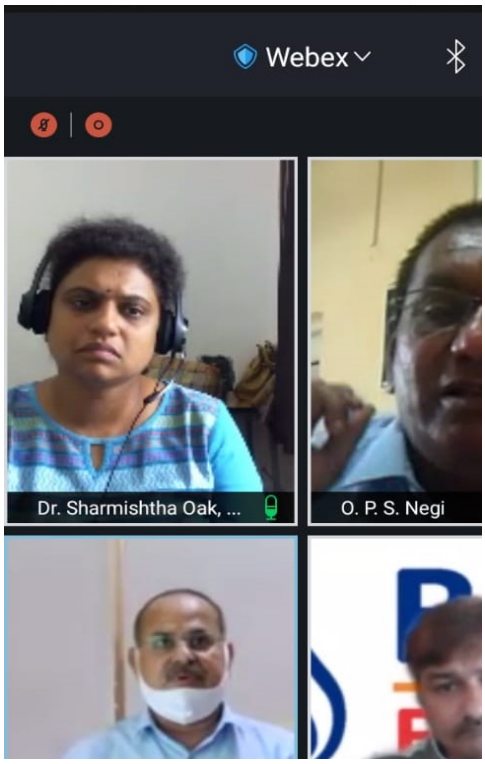

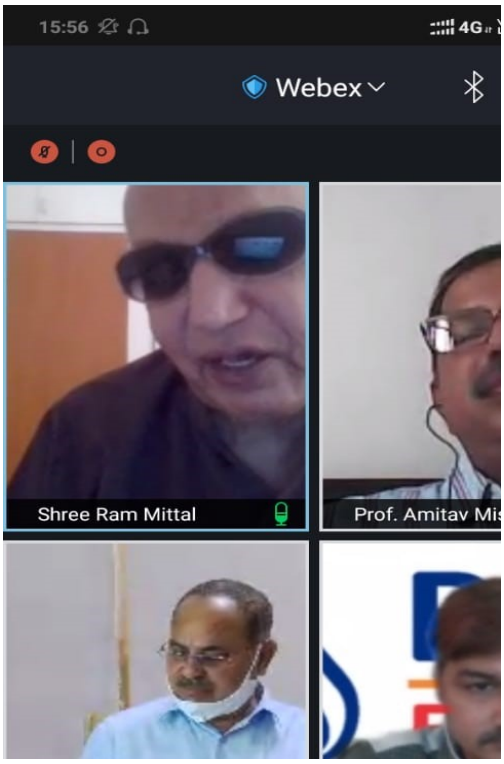

परीक्षा

- विश्वविद्यालय की शीतकालीन सत्र दिसम्बर 2020 से संबंधित वार्षिक पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं से संबंधित तैयार परीक्षा परिणाम घोषित किये जा चुके है, सूची ईमेल के माध्यम से प्रेषित की जा रही है, अन्य शेष पर कार्य गतिमान है।
- ऑनलाइन सत्रीय कार्य की परीक्षाएं दिनांक 14 जून, 2021 से प्रारम्भ की जा चुकी है, सत्रीय कार्य के सम्पादन हेतु सदस्य सचिव द्वारा कमेठी का गठन कर परीक्षा नियंक्षण कक्ष में समस्त सदस्य की उपस्थिति में परीक्षार्थियों की समस्याओं का निवारण कार्य सम्पादित किया जा रहा है।
- आगामी परीक्षाओं की तैयारियों से संबंधित गोपनीय कार्य प्रारम्भ किया जा चुका है।

Online Practical Exam of B.Sc. (Physics) I year and MSc Physics I yearMain/Back students Winter Session 2020-2021

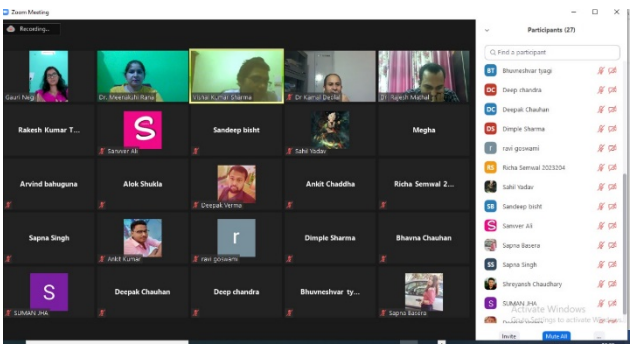

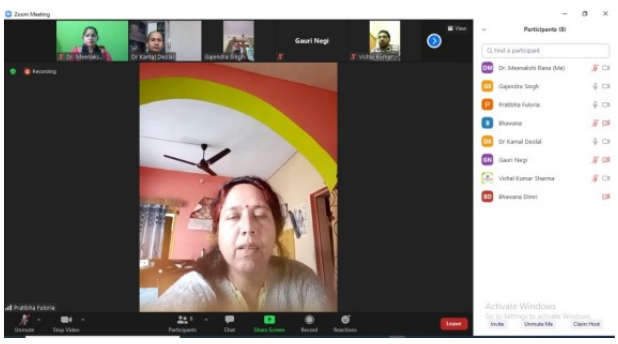

अकादमिक गतिविधियॉ

- Prof. O.P.S. Negi participated in "Meet the Doctor" Series India's Fight against Covid-19: Role of ICMr on 5th June, 2021. Address delivered by Dr. Tej Partap, Hon'ble President, AIU and welcome address given by Dr. (Mrs.) Pankaj Mittal, Secretary General AIU.
-
- दिनांक 28 जून, 2021 को एस एस जे विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग की ओर से **''रिसंट ट्रेड्स इन द डेवलपमेंट ऑफ फजिकल साइंस मेडिकल डायग्नोस्टिक्स टू कॉम्बैट कोविड–19 पेंडमिक''** विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया जिसमें मा0 कुलपति प्रो0 ओ0पी0एस0 नेगी द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया गया।

- Dr. Jeetendra Pande, Associate Professor- Computer Science is nominated as a member of OER drafting committee of Indra Gandhi National Open University, New Delhi.
- Dr. Jeetendra Pande, Associate Professor- Computer Science is nominated as a member of Expert Committee to design and develop the syllabus and course structure of Master of Information Security program offered by School of Vocational Studies, IGNOU. He attend the expert committee meeting held on 18th June, 2021 through online mode.
- Dr. Jeetendra Pande, Associate Professor- Computer Science contributed a chapter "Role of OERs in bringing down the cost of Education at Uttarakhand Open University" in a book entitled "Best Practices in Open and Distance Education: Case Studies from Commonwealth Countries" Published by Commonwealth Educational Media Centre for Asia, New Delhi, 2021 ISBN: 978-81-88770-41-0
- A research paper entitled "ADOPTION OF OPEN EDUCATIONAL RESOURCES: EXPLORING PERCEPTIONS OF THE TEACHERS OF THE OPEN UNIVERSITY OF SRI LANKA" co-authored by Dr. Jeetendra Pande, Associate Professor -Computer Science is presented at 34th Annual Conference of the Asian Association of the Open Universities(AAOU 2021), Srilanka
- Prof. Durgesh Pant, Director- School of Computer Science & IT and Dr. Ashutosh Bhatt, Associate Professor -Computer Science co-authored a research paper entitled "Soil Quality Prediction for Determining Soil Fertility in Bhimtal Block of Uttarakhand using Machine Learning", published in International Journal of Analysis and Application, ISSN: 2291-8639, Volume-19(1), pp 91-109, DOI: 10.28924/2291-8639-19-2021-91.
- Project granted to Dr. Ashutosh Bhatt, Associate Professor -Computer Science by SWYAM PRABHA CHANNEL-20 for Video recording of the subject "Programming in Java" BCA-17, funded by SWYAM PRABHA CHANNEL-20, Indira Gandhi National Open University.
- The Book proposal entitled "Artificial Intelligence for Societal Development and Global Well-Being," submitted by Dr. Ashutosh Bhatt, Associate Professor -Computer Science is accepted under the IGI Global, Hershey, Pennsylvania 17033-1240, USA.
- प्रोफेसर रेनु प्रकाश, प्रोफेसर, समाजशस्त्र द्वारा दिनांक 8 जून 2021 को राजकीय महाविद्यालय सोमेश्वर, अल्मोड़ा के एक दिवसीय राष्ट्रीय वैबीनार शीर्षक – शिक्षा के बदलते प्रतिमान : चुनौतिया एंव सम्भावनाएं में प्रतिभाग किया।

- प्रोफेसर रेनु प्रकाश, प्रोफेसर, समाजशस्त्र द्वारा दिनांक 09–10 जून 2021 कालिन्दी कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के दो दिवसीय राष्टीय वैबीनार शीर्षक –सोसियो इकोनोमिक, पालीटीकल इम्पलीकेशन ऑफ कोविड–19 ऑन वूमेन इन इडिया में कोविडकाल में महिला श्रमिकों की आर्थिक स्थितिः समस्यायें एंव चुनौतिया विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- प्रोफेसर रेनु प्रकाश, प्रोफेसर, समाजशस्त्र द्वारा दिनांक 26– 27 जून 2021 को एस0एस0जे0 विश्वविद्यालय अल्मोड़ा के योगा विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय अन्तराष्ट्रीय वैबीनार शीर्षक – रोल ऑफ योग इन हालिस्टिक हैल्थ ड्यूरिंग कोविड 19, वर्ल्ड पैन्डेमिक, में प्रतिभाग किया गया।
- Dr. Gopal Dutt, Assistant Prof. (AC), Vocational Studies Published a Paper in "Advances in Intelligent Systems and Computing", titled- "Educator's Perspective Towards the Implementation of Technology-Enabled Education in Schools", ISBN 978-981-33-6980-1, ISBN 978-981-33-6981-8 (eBook), https://doi.org/10.1007/978-981-33-6981-8, Under exclusive license to Springer Nature, Singapore Pte Ltd. 2021.
- डॉ0 नमिता वर्मा, सहायक प्रध्यापक (एसी) अर्थशास्त्र विभाग द्वारा राजकीय कॉलेज गोवा द्वारा आयोजित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार "Challenges for Ph.D. students during COVID-19 Pandemic : turning crisis into an opportunity." में प्रतिभाग किया.
- डॉ0 नमिता वर्मा, सहायक प्रध्यापक (एसी) अर्थशास्त्र विभाग द्वारा SLC एवं Universal access for vaccine and medicine camp; स्वदेशी शोध संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किये गए अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार "Humanities call, vaccine for all: understanding global politics" में प्रतिभाग किया।
- **<u>Publication of Dr. Kamal Devlal, Assistant Professor, Physics:</u>**

  1.Meenakshi Rana, **Kamal Devlal**; "Thioglycolic acid capped CdTe quantum dots as sensors for the detection of hazardous heavy metal ion Cu^{2+} in water" Mapan (2021). (Accepted)

  2. Mridula Sharma; Meenakshi Rawat; **Kamal Devlal;** Meenakshi Rana, "Detection of x sperm enrichment by raman spectroscopy in percoll density gradient centrifuged buffalo semen" Agricultural Research (2021). (Submitted to the journal)

  3. ShradhaLakhera, **Kamal Devlal**, Arabinda Ghosh, Meenakshi Rana, In Silico Investigation of Phytoconstituents from Medicinal Herb 'Piper Longum' Against SARS-CoV-2 by Molecular Docking and Molecular Dynamics Analysis" 'Bioorganic and medicinal chemistry", (2021). (Submitted to the journal)
- Dr. Vishal Kumar Sharma, Asst. Prof. Physics attended and Participated a National Webinar on "INTERNATIONAL YOGA DAY 2021" organized by Sponsored Research & Industrial Consultancy Cell (SRICC), Kumaun University, Nainital; NSS Cell, Kumaun University, Nainital and Kumaun University Teachers Association (KUTA) on 21 June, 2021.
- Dr. Vishal Kumar Sharma, Asst. Prof. Physics, attended the five-day online Faculty Development Program (FDP) on Applied Mathematical Sciences from June 25 – 29, 2021organized by FIRMS INDIA.
- Dr. Meenakshi Rana, Asstt. Professor (AC) **Published article in the Journal:**
- **Meenakshi Rana**, Kamal Devlal; "Thioglycolic acid capped CdTe quantum dots as sensors for the detection of hazardous heavy metal ion Cu^{2+} in water" Mapan (2021). (Accepted)
- **Meenakshi Rana**,Pooja, Papia Chowdhury, Ivermectin and Doxycycline Combination as a Promising Drug Candidate Against SARS-CoV-2 Infection: A Computational Study, Bioorganic & Medicinal Chemistry Letters, 2021 (Thomson Reuters I. F. = 2.572, h-index = 133, Published by Elsevier, Indexed in SCI and SCOPUS). (Under Review)

- **Meenakshi Rana**, Pooja, Papia Chowdhury, DFT and MD Simulation Investigation of Favipiravir as an Emerging Antiviral Option Against SARS-CoV-2 Pandemic, Journal of molecular structure, (2021). (Under Review)
- Mridula Sharma; Meenakshi Rawat; Kamal Devlal; **Meenakshi Rana**, "Detection of x sperm enrichment by raman spectroscopy in percoll density gradient centrifuged buffalo semen" Agricultural Research (2021). (Submitted to the journal)
- ShradhaLakhera, Kamal Devlal, Arabinda Ghosh, **Meenakshi Rana**, In Silico Investigation of Phytoconstituents from Medicinal Herb 'Piper Longum' Against SARS-CoV-2 by Molecular Docking and Molecular Dynamics Analysis" 'Bioorganic and medicinal chemistry", (2021). (Submitted to the journal)
- Dr. S.N. Ojha, Asst. Prof. Botany **a**ttended a national webinar on the occasion of World Environment Day organized by Sponsored Research & Industrial Consultancy Cell (SRICC), Kumaun University, Nainital; NSS Cell, Kumaun University, Nainital; Society for Mountain Development and Conservation (SMDC), Nainital; Dr. Y.P. S. Pangtey Foundation and IGNOU, D.S.B. Campus, Nainital on 5 June 2021.
- Dr. S.N. Ojha, Asst. Prof. Botany attended a national webinar on Ganga Rejuvination our Heritage organized by Sponsored Research & Industrial Consultancy Cell (SRICC), Kumaun University, Nainital; NSS Cell, Kumaun University, Nainital; Society for Mountain Development and Conservation (SMDC), Nainital; Dr. Y.P. S. Pangtey Foundation and IGNOU, D.S.B. Campus, Nainital on 20 June, 2021.
- Dr. Pooja Juyal, Asst. Prof. (AC) Attended a NATIONAL WEBINAR ON"WORLD ENVIRONMENT DAY" organized by Sponsored Research & Industrial Consultancy Cell (SRICC), Kumaun University, Nainital; NSS Cell, Kumaun University, Nainital; Society for Mountain Development and Conservation (SMDC), Nainital; Dr. Y.P. S. Pangtey Foundation and IGNOU, D.S.B. Campus, Nainital on 5 June 2021 and Attended National Webinar on "Environmental Education - Career Opportunities in Environmental Science" organized by Gautam Buddha University, Greater Noida on 19 June 2021.
- Dr. Pravesh Kumar Sehgal, Associate. Prof. ZoologyPublished one more Research Paper Titled "**The Sexual dimorphism $ Description of adults of *Chrysocoris stolli* Wolf of (Heteroptera – Pentatomidae -Scutellerane)** International Journal of Research and Analytical Reviews – IJRAR. (E-ISSN 2348-1269, P- ISSN 2349-5138) Volume 8 | Issue 2 | April 2021, Pp 642-652. **UGC Approval: Journal No: 43602**
- Dr. Shyam Singh Kunjwal, Asst. Prof. (AC) Published one more Research Paper Titled "**The Sexual dimorphism $ Description of adults of *Chrysocoris stolli* Wolf of (Heteroptera – Pentatomidae -Scutellerane)** International Journal of Research and Analytical Reviews – IJRAR. (E-ISSN 2348-1269, P- ISSN 2349-5138) Volume 8 | Issue 2 | April 2021, Pp 642-652. **UGC Approval: Journal No: 43602.**

****

संलग्नक–क

बसानी में किया गया पौधारोपण

हल्द्वानी। पर्यावरण दिवस पर शनिवार को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के गोद लिए गांव बसानी में शनिवार को पौधारोपण किया गया साथ ही उनको बचाने की अपील की गई। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के गोद लिए गांव बसानी के नोडल अफसर राजेंद्र सिंह क्वीरा के नेतृत्व में किया गया। इस मौके पर ग्राम प्रधान विमला तड़ागी सर माउंट स्कूल की प्रधानाचार्य श्रीमती वनिता अलवीरा, विद्यालय की संरक्षिका श्रीमती जीवंती तड़ागी दान सिंह तड़ागी व इंदर आर्य आदि लोगों ने भी इस कार्यक्रम में अपना पूर्ण रूप से सहयोग दिया। कार्यक्रम के दौरान सभी लोगों से पर्यावरण संरक्षण मैं भागीदारी कर पौधों को जीवित रखने के लिए उनकी देखभाल करने की अपील की गई। इससे पूर्व भी गांव में मुक्त विश्वविद्यालय व सरमाउन्ट स्कूल की ओर से मास्क व सेनेटाइजर का वितरण किया गया था।

दैनिक भास्कर
रविवार 06 जून 2021 देहरादून 09

खबर एक नजर

बसानी में किया गया पौधारोपण

हल्द्वानी। विश्व पर्यावरण दिवस पर शनिवार को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांव बसानी में शनिवार को पौधरोपण कर पौधों को बचाने की अपील की गई। नोडल अफसर राजेंद्र सिंह क्वीरा के नेतृत्व में ग्राम प्रधान विमला तड़ागी, सर माउंट स्कूल की प्रधानाचार्य श्रीमती वनिता अलवीरा, विद्यालय की संरक्षिका श्रीमती जीवंती तड़ागी व दान सिंह तड़ागी तथा इंदर आर्य आदि ने कार्यक्रम में सहयोग दिया। इस दौरान उपस्थित लोगों से पर्यावरण संरक्षण में भागीदारी कर पौधों को जीवित रखने के लिए उनकी देखभाल करने की अपील की गई। इससे पूर्व गांव में मुक्त विश्वविद्यालय व सरमाउन्ट स्कूल की ओर से मास्क व सेनेटाइजर का वितरण किया गया।

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

यूओयू 12 जुलाई को लांच करेगा डिजिटल फॉरेंसिक कोर्स

रोजगारपरक

हल्द्वानी | कार्यालय संवाददाता

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया (सिमका) के साथ मिलकर निः शुल्क ऑनलाइन डिजिटल फॉरेंसिक कोर्स शुरू करने जा रहा है। 4 हफ्ते की अवधि के इस प्रोग्राम के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिए हैं। साथ ही 12 जुलाई को कोर्स लांच किया जाएगा।

यूओयू में कंप्यूटर साइंस के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. जितेंद्र पांडे ने बताया कि सोमवार से रजिस्ट्रेशन के लिए पोर्टल खोला गया था। 24 घंटे के भीतर 600 से ज्यादा विद्यार्थियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया है। भारत के अलावा श्रीलंका, इटली, यूएसए, घाना, मॉरीशस सहित 15 बाहरी देशों से भी लोगों ने पंजीकरण करवाया है। डॉ. पांडे ने बताया कि कोर्स पूरी तरह निःशुल्क है। विवि के पोर्टल पर लॉगिन करके कोर्स में पंजीकरण करना होगा।

> विश्वविद्यालय रोजगारपरक पाठ्यक्रमों पर लगातार जोर दे रहा है। निः शुल्क ऑनलाइन कोर्सों के माध्यम से कौशल विकास का काम किया जा रहा है। डिजिटल फॉरेंसिक कोर्स भी इसी कड़ी में एक कदम है। वर्तमान समय में डिजिटल फॉरेंसिक के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं।
> – प्रो. ओपीएस नेगी, कुलपति, यूओयू

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए

यूओयू में भी मनाय गया योग दिवस

हल्द्वानी। यूओयू में नमामि गंगे प्रो के तहत गंगा शपथ कराई गई। उ बाद योग विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. प्रकाश जोशी ने कार्यक्रम का आ किया। उन्होंने बताया कि करोना में योग के माध्यम से किस भी प्र तनाव से मुक्त रह सकते सकते

अमर उजा

कौशल शिक्षा भविष्य

जरूरत : प्रो. ओपीएस

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विवि के व्यावसायिक विद्याशाखा की ओर से मंगलवार को पांच ऑनलाइन कार्यशाला शुरू हुई।

विवि के कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने कौशल भविष्य की जरूरत बताते हुए इसके व्यापक जागरूकता की आवश्यकता पर बल दिया। उद्घ व्यावसायिक विद्याशाखा के निदेशक प्रोफेसर दु कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। व पाठ्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए छात्र एंबेसडर होंगे। यहां मुख्य अतिथि संस्था निदेश

दैनिक जागरण www.jagr

गढ़वाली भाषा में सर्टिफि
कोर्स को विशेषज्ञों की मं

पॉजिटिव न्यूज

जागरण संवाददाता, हल्द्वानी : क्षेत्रीय भाषाओं पर पाठ्यक्रम शुरू करने की मुहिम के दूसरे चरण में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) ने गढ़वाली भाषा में सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करने की कवायद की है। सोमवार को विशेषज्ञ समिति की ऑनलाइन बैठक में पाठ्यक्रम की संरचना का प्रस्ताव लाया गया। विशेषज्ञों की राय के बाद जरूरी संशोधन के साथ इसे अध्ययन समिति को भेज दिया गया।

विशेषज्ञ समिति की वर्चुअल बैठक में शामिल प्रसिद्ध लोकगायक नरेंद्र सिंह नेगी ने क्षेत्रीय भाषाओं पर पाठ्यक्रम शुरू करने पर मुक्त

यूओयू में यह होगी स
कोर्स की विशेषता

छह माह के सर्टिफिकेट क
प्रश्नपत्र होंगे। इसमें गढ़व
का परिचय, इतिहास, व्या
शब्दावली, पद्य, गद्य, गढ़व
लोकसाहित्य एवं संस्कृति
12वीं परीक्षा पास अभ्यर्थी
में प्रवेश पा सकते हैं।

यूओयू भी इसमें शामिल
भाषा व संस्कृति के संर
यह शुभ संकेत है। वि
के मानविकी विद्याशाख
प्रो. एचपी शुक्ल की
हुई बैठक में यूओयू के
समन्वयक डा. राकेश र
के सम्मुख रखा। अध्यय

अमर उजा

पहल

यूओयू की विशेषज्ञ समिति की ऑनलाइन बैठक में कई प्रस्तावों पर

गढ़वाली भाषा में सर्टिफिकेट कोर्स शु

माई सिटी रिपोर्टर

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से क्षेत्रीय भाषाओं के पाठ्यक्रमों के तहत शुरू किए जाने वाले गढ़वाली भाषा में सर्टिफिकेट कोर्स की विशेषज्ञ समिति की सोमवार को ऑनलाइन बैठक हुई। पाठ्यक्रम की संरचना पर चर्चा कर विशेषज्ञों के सुझाव के बाद संशोधित प्रस्ताव अध्ययन समिति को भेजने का निर्णय लिया गया। अगले सत्र से

अगले सत्र से डिप्लोमा कार्यक्रम भी शुरू करने का प्रस्ताव

कहा कि क्षेत्रीय भाषाओं के सरंक्षण व बढ़ावा देने के लिए जो जनांदोलन छेड़ा था आज उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय भी इसमें शामिल हो गया है, जो इस प्रदेश की भाषा-संस्कृति के सरंक्षण को लेकर एक अच्छा संकेत है। उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय राज्य में पहला विश्वविद्यालय

किया जिसमें विशेषज्ञों
संशोधन कर अध्ययन
गया। उन्होंने बताय
सर्टिफिकेट कोर्स में
जिनमें गढ़वाली भाषा
व्याकरण, शब्दावली,
का लोकसाहित्य एवं
गया है। इसमें प्रवेश
गई है। बैठक की
विद्याशाखा के निदेश
की। बैठक में गढ़वाल

हिन्दुस्तान
तरक्की को वाहिए

क्षेत्रीय भाषाओं के संर को सामूहिक प्रयास ज

हल्द्वानी | मुख्य संवाददाता

लोकगायक नरेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि क्षेत्रीय भाषाओं के संरक्षण के लिए स्थानीय स्तर पर सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। कहा कि क्षेत्रीय भाषाओं के संरक्षण को उत्तराखंड में जो जनआंदोलन छेड़ा गया था, यूओयू भी हिस्सा बन गया है।

लोकगायक नरेंद्र नेगी सोमवार विश्वविद्यालय में शुरू होने वाले क्षेत्रीय में शामिल नेगी ने कहा वि में पहला विवि होगा, कुमाउनी में पाठ्यक्र पाठ्यक्रम की सरंचना क के क्षेत्रीय भाषा समन्वय रयाल ने समिति के सम्मुख के प्रमाणपत्र में 4 प्रश्नपत्र परिचय, इतिहास, व्याकर पद्य, गद्य एवं गढ़वाल का एवं संस्कृति शामिल है।

यूओयू की ऑनल सत्रीय परीक्षाएं 14

माई सिटी रिपोर्टर

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के सभी सेमेस्टर प्रणाली के छात्रों की 14 जून से होने वाली ऑनलाइन सत्रीय कार्य की परीक्षाओं की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यह परीक्षाएं विषयवार 5 भागों में होंगी, जो 14 जून से 18 जुलाई तक चलेंगी। वहीं परीक्षार्थियों के लिए हेल्प डेस्क के नंबर 05946-286096, 286097, 286098 जारी किए हैं।

उत्तराखंड मुक्त विवि प्रदेश का पहला विवि है जिसने ऑनलाइन परीक्षाएं कराने के लिए स्वयं के संसाधनों से आगे बढ़ने की कोशिश की है। विवि मुख्य परीक्षाएं भी इस बार ऑनलाइन ही कराने की तैयारी कर रहा है, सत्रीय कार्य की ऑनलाइन परीक्षाएं भी इसी का ट्रायल मानी जा रही है। यह परीक्षा ऑनलाइन सही संपन्न होने पर विवि मुख्य परीक्षाओं को भी ऑनलाइन कराने की तिथि घोषित कर सकता है।

मुख्य परीक्षाएं ऑनल का ट्रायल होगी सत्री ऑनलाइन प

परीक्षार्थियों के लिए नंबर 05946- 28 286097, 286

विश्वविद्यालय हेल्प डेस्क हेल्प डेस्क शिक्षक, अधि इंजीनियर और क होंगे, जो बारी-बारी से सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक छात्रों को किसी भी तरह से आने वाली तकनीकी दिक्कतों का समाधान बताएंगे। - प्रो. ओपीएस ने

मुक्त विश्वविद्यालय में 14 से ऑनलाइन असाइनमेंट प

हल्द्वानी | कार्यालय संवाददाता

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की असाइनमेंट (सत्रीय परीक्षा) 14 जून से शुरू होगी। उत्तराखंड में पहली बार ऐसा होगा कि कोई विवि पहली बार सत्रीय परीक्षा ऑनलाइन कराएगा। यूओयू प्रशासन के मुताबिक, यदि ये प्रयोग सफल रहा तो आगामी मुख्य परीक्षाएं भी ऑनलाइन कराई जाएंगी।

यूओयू सेमेस्टर पद्धति के छात्रों के लिए 14 जून से सत्रीय कार्य की परीक्षाएं ऑनलाइन शुरू करेगा। परीक्षाएं विषयवार पांच भागों में 18 जुलाई तक चलेंगी। विद्यार्थी समयसारिणी और परीक्षा

हेल्प डेस्क से लें मदद

ऑनलाइन सत्रीय परीक्षा के लि डेस्क बनाई गई है। डॉ.राकेश इसके जरिए शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारी रोस्टरवार सुबह बजे तक छात्रों की तकनीकी परे करेंगे। हेल्प डेस्क के नंबर 0 286097, 286098 हैं।

पूरी कर ली गई हैं। परीक्षा वि विभाग के साथ प्रत्येक शिक्षक परीक्षाओं का समन्वय करेंगे। विद्यार्थियों को ऑनलाइन परी

इंटर पास भी कर सकेंगे पत्रकारिता-आपदा प्रबंधन

हिन्दुस्तान
एक्सक्लूसिव

हल्द्वानी | सुमित जोशी

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में संचालित 8 पीजी डिप्लोमा कोर्स डिप्लोमा में बदले जाएंगे। डिप्लोमा की मान्यता मिलने पर इंटर पास छात्र

अच्छी खबर

- यूओयू पीजी डिप्लोमा कोर्सों को डिप्लोमा में बदलेगा
- विवि में वर्तमान में 8 पीजी डिप्लोमा कोर्स हो रहे संचालित

बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूर कराने के निर्देश दिए हैं। इसी साल से इन कोर्सों में दाखिले भी 12वीं के आधार पर होंगे। दरअसल, यूओयू में चल रहे पीजी डिप्लोमा कोर्सों की समयावधि दो साल कर दी गई है। नई शिक्षा नीति के तहत ये बदलाव किए गए हैं। ऐसे में उत्तराखंड मुक्त विवि को भी अपने कोर्स दो साल के करने थे, मगर विवि में 8 में से 4 पीजी डिप्लोमा कोर्स डिग्री में भी संचालित होते हैं। ऐसे में छात्र दो साल के डिप्लोमा से बेहतर दो साल की पीजी डिग्री करना चाहेगा। दूसरी तरफ दो साल के पीजी डिप्लोमा कोर्स के लिए

ये डिप्लोमा कोर्स बदले जाएंगे

- पीजी डिप्लोमा इन साइबर ला
- पीजी डिप्लोमा इन मार्केटिंग मैनेजमेंट
- पीजी डिप्लोमा इन डिजास्टर मैनेजमेंट
- पीजी डिप्लोमा इन जियो इनफॉर्मेटिक्स
- पीजी डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन
- पीजी डिप्लोमा इन ह्यूमन रिसोर्स

विश्वविद्यालय
डिप्लोमा कोर्स
बदला जा रहा
शाखाओं को
इस प्रस्ताव क
निर्देश दिए ग
रोजगारपरक